* R A A - 1 6 0 7 0 4 0 1 0 6 2 5 0 0 *

RAA-16070401062500 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

March – 2019

Hindi : *(Core-20)*

(पूर्व एवं उत्तर मध्यकालीन हिन्दी काव्य)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सूचनानुसार उत्तर दीजिए ।

१ मीराँबाई के जीवन–कवन की विस्तृत समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

१ मीराँबाई की भक्ति पद्धति पर प्रकाश डालिए । १५

२ भावपक्ष एवं कलापक्ष के आधार पर मीराँ के काव्य की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

२ 'मीराँ के पदों में हमें विभिन्न समुदायों का प्रभाव दिखाई देता है' – समझाईए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''साज सिंगार बाँध पग घूँघर, लोकलाज तज णाँची ।
गया कुमत लयाँ साथाँ संगत स्याम प्रीत जग साँची ॥''

(२) ''मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि साँई ।
जा तन की साँई परैं, स्याम हरित–दुति होइ ॥''

(३) ''सुयणा माँ म्हारे परण गया पायो अचल सोहाग
मीराँ रो गिरधर मिल्या री, पुरब जनम रो भाग ।''

(४) ''तजी तीरथ हरि – राधिका – तन दुति करि अनुराग
जिहिं ब्रज केलि–निकुंज–मग, पग पग होत प्रयाग ।''

(५) ''माई म्हाँ, गोविन्द गुण गाणा
राजा रूठयाँ नगरी त्यागाँ, हरि रुठयाँ कठ जाणा ।''

४ एक सफल मुक्तककार के रूप में बिहारी की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

४ सतसई परंपरा का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनमें बिहारी सतसई का स्थान निर्धारित कीजिए । १५

५ रीतिकाल की समसामयिक स्थिति पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ बिहारी का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए । १०